



hitesh



Dixa

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121119801

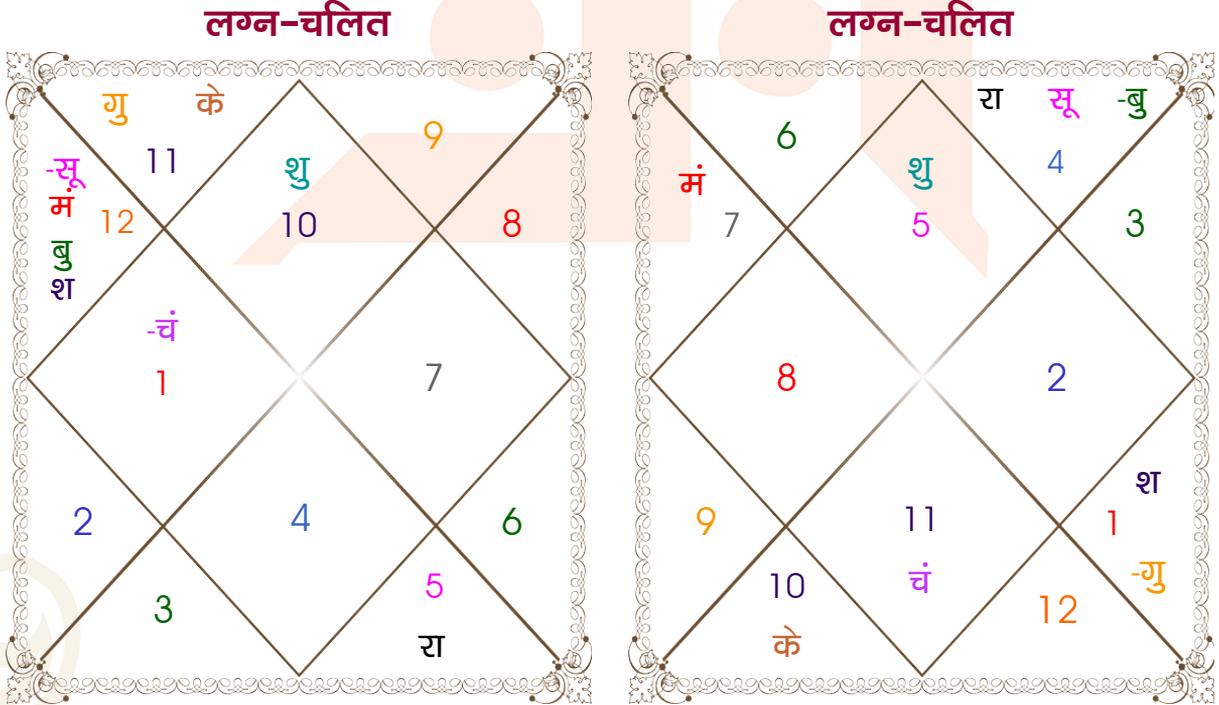
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29-30/03/1998 :	जन्म तिथि	: 31/07/1999
रवि-सोमवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 03:52:00 :	जन्म समय	: 09:03:00 घंटे
घटी 53:59:36 :	जन्म समय(घटी)	: 08:31:38 घटी
India :	देश	: India
Bilaspur :	स्थान	: Mandi
31:18:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:43:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:22:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:16:09 :	सूर्योदय	: 05:37:04
18:40:23 :	सूर्यास्त	: 19:19:52
23:49:50 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:53
मकर :	लग्न	: सिंह
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
मेष :	राशि	: कुम्भ
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
अश्विनी :	नक्षत्र	: शतभिषा
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
4 :	चरण	: 3
वैधृति :	योग	: शोभन
तैतिल :	करण	: विष्टि
ला-लाखन :	जन्म नामाक्षर	: सी-सीमा
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
अश्व :	योनि	: अश्व
देव :	गण	: राक्षस
आद्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 4मा 10दि	23:17:30	मक	लग्न	सिंह	26:15:47	राहु 6वर्ष 1मा 13दि
चन्द्र	15:11:30	मीन	सूर्य	कर्क	13:40:00	शनि
08/08/2025	10:44:29	मेष	चंद्र	कुंभ	15:28:02	12/09/2021
09/08/2035	25:32:40	मीन	मंगल	तुला	17:05:06	12/09/2040
चन्द्र 09/06/2026	27:23:33	मीन व	बुध व	कर्क	06:28:46	शनि 15/09/2024
मंगल 08/01/2027	18:53:04	कुंभ	गुरु	मेष	10:07:52	बुध 26/05/2027
राहु 09/07/2028	28:43:06	मक	शुक्र व	सिंह	11:15:34	केतु 04/07/2028
गुरु 08/11/2029	27:40:51	मीन	शनि	मेष	22:33:18	शुक्र 03/09/2031
शनि 09/06/2031	16:27:38	सिंह व	राहु	कर्क	19:05:10	सूर्य 15/08/2032
बुध 07/11/2032	16:27:38	कुंभ व	केतु	मक	19:05:10	चन्द्र 17/03/2034
केतु 08/06/2033	17:57:41	मक	हर्ष व	मक	21:16:17	मंगल 25/04/2035
शुक्र 07/02/2035	07:59:19	मक	नेप व	मक	08:59:57	राहु 01/03/2038
सूर्य 09/08/2035	14:08:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	13:59:11	गुरु 12/09/2040

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

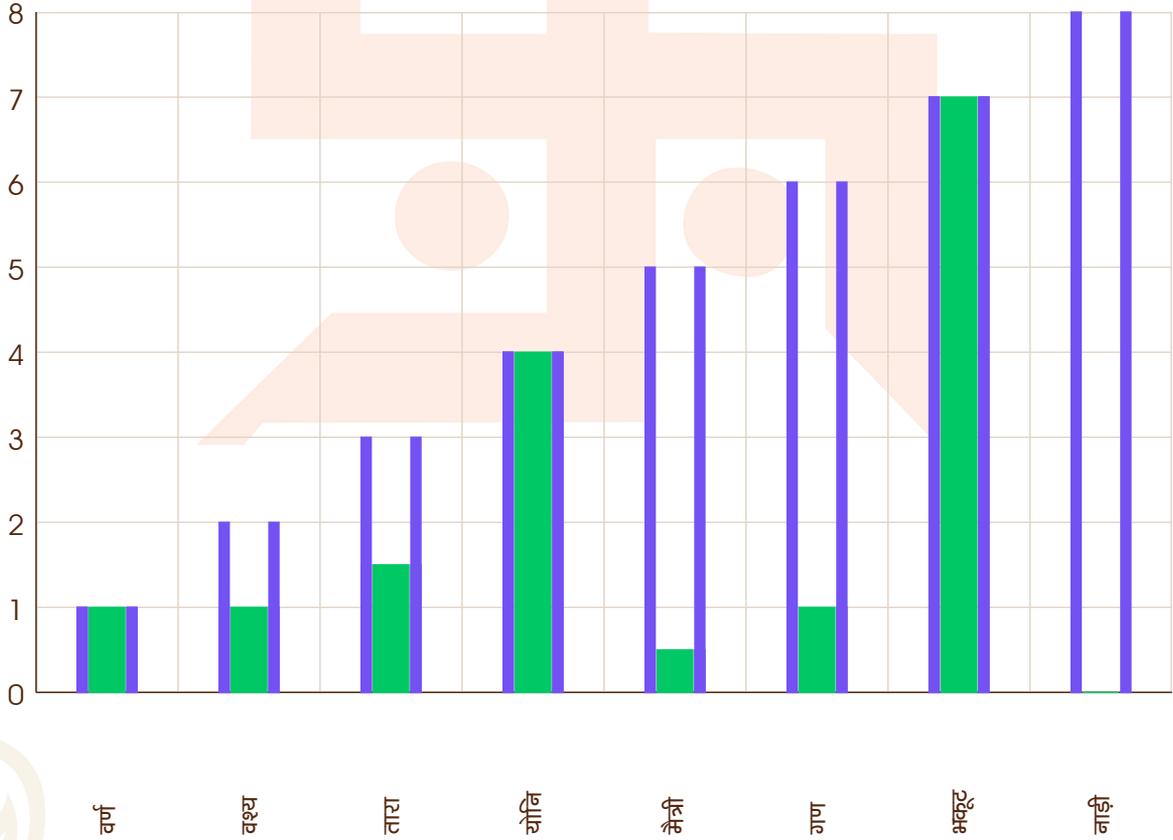
23:49:50 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:53



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : 16 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

hitesh का वर्ग मृग है तथा Dixa का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार hitesh और Dixa का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

hitesh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Dixa मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

hitesh तथा Dixa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

hitesh का वर्ण क्षत्रिय तथा Dixa का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से Dixa वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा hitesh से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

hitesh का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Dixa का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार hitesh एवं Dixa एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Dixa क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

hitesh की तारा प्रत्यरि तथा Dixa की तारा साधक है। hitesh की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत hitesh कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Dixa को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

hitesh की योनि अश्व है तथा Dixa की योनि भी अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के

मार्ग प्रशस्त होंगे ।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में hitesh का राशि स्वामी Dixa के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Dixa का राशि स्वामी hitesh के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

hitesh का गण देव तथा Dixa का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Dixa निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो घर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Dixa की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

hitesh से Dixa की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Dixa से hitesh की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण hitesh परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Dixa हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

hitesh की नाड़ी आद्य है तथा Dixa की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। hitesh एवं Dixa दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

hitesh की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि Dixa की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबंधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही Dixa hitesh की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि hitesh Dixa को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

hitesh का राशि स्वामी मंगल Dixa की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा Dixa का राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबंधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

hitesh और Dixa की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबंधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

hitesh का वश्य चतुष्पद तथा Dixa का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

hitesh का वर्ण क्षत्रिय तथा Dixa का वर्ण शूद्र है। अतः hitesh कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराकमी तथा परिश्रमी होंगे तथा Dixa में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

धन

hitesh और Dixa की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। hitesh एवं Dixa की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से hitesh और Dixa की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथा मंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

hitesh को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार hitesh और Dixa धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

hitesh और Dixa दोनों की आद्य नाड़ी है। अतः इसके प्रभाव से वे नाड़ी दोष से पीड़ित होंगे। यद्यपि मंगल का किसी के भी स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है तथापि इस दोष के प्रभाव से hitesh और Dixa शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति कर सकते हैं। यदि ऐसी परिस्थिति में मिलान किया गया तो Dixa के प्रभाव से hitesh का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसका दुष्प्रभाव hitesh की अस्थियों पर विशेष होगा फलतः किसी अस्थि रोग से वे कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही पैर या घुटने पर प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थिति में मिलान उत्तम नहीं रहेगा तथा इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से hitesh और Dixa का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त hitesh और Dixa के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Dixa के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Dixa को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Dixa को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से hitesh और Dixa सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार hitesh और Dixa का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Dixa के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Dixa के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Dixa अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Dixa के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा

तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

hitesh की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर hitesh सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन hitesh ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का hitesh के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।